Regional Coordinating Institute, Unnat Bharat Abhiyan

IIT Roorkee

(News Clipping)

दैनिक जागरण

4 फरवरी 2020	देहरादून, मंगलवार

उचित प्रबंधन एवं मानव व्यवहार में बदलाव पर जोर

कार्यशाला

- उन्नत भारत अभियान के तहत मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम ऑन रूरल डेवलपमेंट लीडरशिप पर कार्यशाला शुरू
- राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान अधिकारियों के सहयोग से ग्रामीण विकास का खाका हो रहा तैयार

जागरण संवाददाता, रुड़की: उन्नत भारत अभियान के तहत भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) रुड़की में मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम ऑन रूरल डेवलपमेंट लीडरशिप पर कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें वक्ताओं ने गांवों के विकास के लिए उचित प्रबंधन एवं मानव व्यवहार में बदलाव लाने पर जोर दिया। साथ ही छोटे-छोटे प्रयासों से बड़े परिवर्तन लाने की बात कही।

आइआइटी रुड़की के अनवरत शिक्षा केंद्र में सोमवार को उन्नत भारत अभियान के तहत चार दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन समारोह आयोजित हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित आइआइटी रुड़की के निदेशक प्रो. अजित कुमार चतुर्वेदी ने कहा कि विकास की रफ्तार को बढ़ाने की जरूरत है। गांवों में विकास तो हो रहा है, लेकिन गति धीमी है। छोटे-छोटे प्रयास ग्रामीण विकास में बहुत बड़ा योगदान दे सकते हैं। कहा कि देश एवं गांवों के विकास में योगदान देने के लिए आइआइटी रुड़की प्रतिबद्ध है। विशेषकर उन्नत भारत अभियान में आइआइटी रुड़की देश में अग्रणी बनना चाहता है। राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान गुवाहाटी के निदेशक प्रो. आरएम पंत ने कहा कि उन्नत भारत अभियान कार्यक्रम में राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान अधिकारियों के सहयोग से ग्रामीण विकास का खाका तैयार कर रहा है। इसके अंतर्गत ग्रामीण गांव से संबंधित विकास की कार्ययोजना तैयार करेंगे। राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान के प्रो. मुकेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि कार्यशाला का उद्देश्य ग्रामीण विकास में योगदान के लिए अभियान से जुड़े लोगों में नेतृत्व क्षमता विकसित करना है। उन्नत भारत अभियान क्षेत्रीय समन्वय संस्थान-आइआइटी रुड़की के समन्वयक प्रो. आशीष पांडेय ने बताया कि राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान, गुवाहाटी और उत्तराखंड ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान, रुद्रपुर के सहयोग से कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। कार्यशाला में राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान रुड़की के पूर्व निदेशक प्रो. आरडी सिंह, जिला ग्राम्य विकास अभिकरण एवं जिला मिशन प्रबंधक की सहायक परियोजना निदेशक नलिनीत घिल्डियाल, जिला थीमेटिक विशेषज्ञ भानु प्रताप आदि उपस्थित रहे।